भारत-सरकार
पोत परिवहन मंत्रालय
राज्य सभा
लिखित प्रश्न सं. 126 जिसका उत्तर
बृहस्पतिवार, 05 दिसम्बर, 2013/14 अग्रहायण, 1935 (शक) को दिया जाना है

सुरक्षा प्रदाता के रूप में भारत की भूमिका

126. **श्री ए.विलियम रबि बर्नार्डः**

क्या **पोत परिवहन मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या हिन्द महासागर क्षेत्र के अनेक देशों द्वारा भारत को नेट सुरक्षा प्रदाता के रूप में अपनी भूमिका बढ़ाने के लिए कहा गया है क्योंकि भारत को महान समुद्री शक्ति के रूप में देखा जाता है और भारत द्वारा संकट के समय अन्य देशों को समय पर सहायता दिए जाने से इस दृष्टिकोण को बढ़ावा मिला हैं; और

(ख) यदि हां, समुद्री सुरक्षा के मामले में बेहतर सहयोग का ढांचा विकसित करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर
पोत परिवहन मंत्री
(श्री जी. के. वासन)

(क) और (ख): करीब 7600 किमी की तटरेखा और 2.5 मिलियन वर्ग किमी से अधिक के विशेष आर्थिक जोन (ईईजेड) के साथ, भारत महाद्वीपीय एशिया के साथ-साथ हिंद महासागर क्षेत्र दोनों के संबंध में रणनीतिक रूप से अवस्थित है। हमारा अंतर्राष्ट्रीय व्यापार लगभग सतानवें प्रतिशत और 75% मूल्य को हिंद महासागर के समुद्री मार्ग के माध्यम से किया जाता है जिसमें हमारे तेल आयात का बल्क शामिल है। भारतीय प्रायद्वीपीय अभिमुखीकरण पूर्व और पश्चिम की ओर इसकी पैन समुद्रीय व्यापार कनेक्टिविटी को सुनिश्चित करता है। वैश्विक कनेक्टिविटी और आर्थिक परस्पर-निर्भरता के इस युग में, व्यापार और संसाधन दोनों के लिए सभी राष्ट्र समुद्र सुरक्षा और महासागर गर्वनेन्स में अपनी भूमिका निभाते हैं।

भारत बहुपक्षीय मंचों जैसे इंडियन ओशियन एसोसिएशन (आईओआरए) और इंडियन ओशियन नेवल सिम्पोजियम (आईओएनएस) के माध्यम से साझा सुरक्षा और साझा समृद्धि के सिद्धान्तों पर आधारित क्षेत्र में देशों के साथ रचनात्मक ढंग से संलग्न है।

*****